ikB 1

जादूगर यह कौन ?

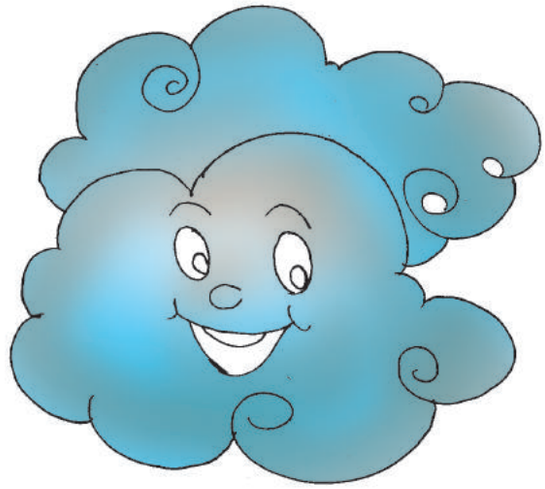

काली खुली जटाओं वाला
जादूगर यह कौन ?
कहाँ–कहाँ से नभ में आता
तरह–तरह के खेल दिखाता
पवन–पंख पर उड़ने वाला
जादूगर यह कौन ?
ऐसे छू–मंतर पढ़ देता
सूरज को ओझल कर देता
दिन को रात बनाने वाला
जादूगर यह कौन ?
धरती तक ऐसे झुक जाता
जैसे हाथी सूँड नवाता
सबका चित्त लुभाने वाला
जादूगर यह कौन ?
जब–जब इसके दिल में आता
झोले से बूँदें टपकाता
धरती को सरसाने वाला
जादूगर यह कौन ?

–राजनारायण चौधरी

vH;kl अभ्यास

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa &

- ओझल – छिपा हुआ
- चित्त – मन
- जादूगर – जादू का खेल दिखाने वाला
- नभ – आकाश
- नवाता – झुकाता
- पवन–पंख – हवा रूपी पंख
- सरसाने वाला – मन को खुश करने वाला

2- dfork ls &

(क) कविता में जादूगर किसे कहा गया है ?

____

(ख) जादूगर कैसा दिखाई देता है ?

____

(ग) जादूगर कौन–कौन से करतब दिखाता है ?

____

(घ) सोचो, बादल को जादूगर क्यों कहा है ?

____

3- vkidh ckr &

(क) Þèkjrh rd ,ls >qd tkrk
tSls gkFkh lwM uokrkß
जब बादल झुकता है तो कवि को ऐसा लगता है जैसे कोई हाथी अपनी सूँड को झुकाता है। आपको भी बादलों में तरह–तरह की

आकृतियाँ दिखाई देती होंगी। उनके नाम लिखें–

_____

(ख) आपको कैसा लगता है ?

- जब गरमी में बादल सूरज को ढक लेते हैं –

_____

- जब सरदी में बादल सूरज को ढक लेते हैं –

_____

4- dfork l: vkx&

(क) नीचे कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। कविता पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें –

- बादल दिन को रात कैसे बनाता है?

_____

- बादल धरती को कैसे खुश करता है ?

_____

(ख) 'झोले से बूँदें टपकाता'

बादल अपने झोले से बूँदें टपकाता है। इसी तरह ये अपने झोले से क्या निकालेंगे ? सोचकर लिखें

- पिताजी _____
- माँ _____
- अध्यापिका _____
- जादूगर _____
- डाकिया _____

5- Hkk"kk dh ckr&

(क) इस कविता में बादल के कुछ काम दिए गए हैं, जैसे – खेल दिखाना, उड़ना।

ऐसे ही कुछ और काम कविता में से छाँटकर लिखें और उनसे वाक्य बनाएँ –

खेल दिखाना – जादूगर तरह–तरह के खेल दिखाता है।

_____ – _____

_____ – _____

_____ – _____

_____ – _____

_____ – _____

(ख) जादूगर शब्द 'जादू' और 'गर' शब्द से मिलकर बना है। ऐसे कुछ और शब्द बनाइए –

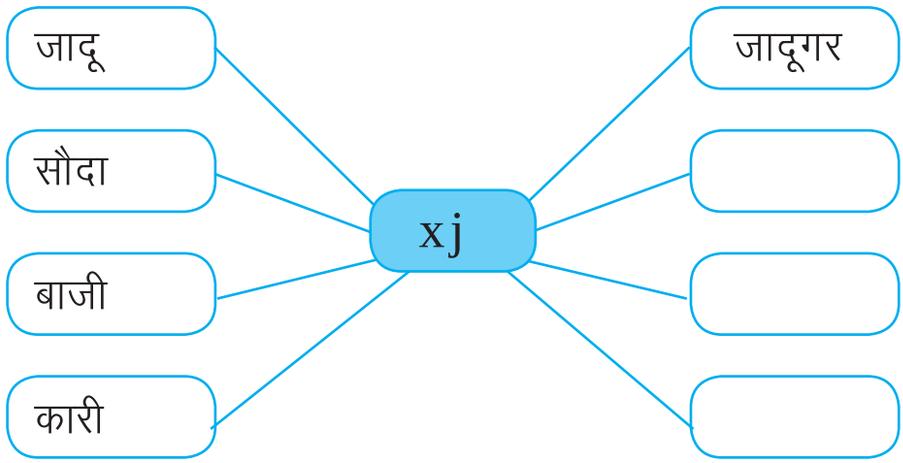

(ग) निम्नलिखित शब्दों के लिए कविता में अन्य किन शब्दों का प्रयोग हुआ है?

हवा _____

आकाश _____

सूर्य _____

पृथ्वी _____